

3.12.24 वकील वाडी उपाख्यान / प्रतिवादीगण की नसीब
है। समय-बाधा / पूर्व के कई अवसरों
जहाँ-जहाँ ही ग्याथारल के आनेक अवसर
भी दिए जा-चुके हैं इतने अवसर दिए
जाने के बाद भी वकील वाडी ने प्रतिवादीगण

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

की तलबी का हट्टेप नहीं लिया है) उनका यह कृत्य वाद को चलाने से होने से उनकी अक्रियता का जाहिर करला है) जबकि प्रचालित न्यायिक सिद्धान्तों के अनुसार वाद की विधिवत कार्यवाही की पूर्ण की जिम्मेदारी वादी की होती है) अतः प्रायः वादीगत अदम तबकील / नॉट कमप्लायेंस में सी.पी.सी. के प्रावधान आदेश 9 नियम 5 के अन्तर्गत रवाना किया जाता है) पत्रावली फिलिलशुआ रोकट दाखिल रफतार हो। आदेश सुनाया गया।

अधीनस्थ न्यायालय
बोधपुर (राज.)